**Title:** Need to take steps to solve acute drinking water problem in Eastern and Western Rajasthan-Laid.

**श्रीमती जसकौर मीणा (सवाई माधोपुर):** राजस्थान में लगातार तीसरी बार अकाल की गंभीर स्थिति है। पश्चिमी राजस्थान में तो इसकी भयानकता जन-जीवन को तथा प्रकृति को नट कर रही है। पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों में लोग पेयजल के लिए तरस रहे हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र के 380 गांव हैं जिनमें पीने के पानी की बहुत बड़ी समस्या चल रही है। राजस्थान सरकार ने अभी तक भी इस संबंध में कोई समुचित प्रयास शुरू नहीं किया है। परम्परागत जल स्रोतों को गहरा कराना, मरम्मत कराना उनके रख-रखाव में प्रत्येक जिले को 5-5 करोड़ रूपये आबंटित किये गये हैं। उसके बावजूद भी गांव में पानी का स्तर बढ़ाने का कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है। मेरे संसदीय क्षेत्र में 1467 गांवों में से केवल 40 गांवों को ही मात्र 12 लाख रूपये स्वीकृत किया है।

अतः मैं आपके माध्यम से इस समस्या के समाधान के लिए उचित पेयजल व्यवस्था कराये जाने हेतु निवेदन करती हूं ताकि मनुयों तथा पशुओं को पानी के अभाव में मरने से बचाया जा सके।